एडवांस डिप्लोमा (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)

गायन/स्वर वाद्य

सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

1. ध्वनि (सांगीतिक ध्वनि और शोर), नाद और उसके प्रकार, नाद की तीव्रता, तारता। सेमीटोन माईनर टोन, मेजर टोन का परिचय।

2. हिन्दुस्तानी और कर्नाटक स्वर सप्तकों का अध्ययन। ग्रह आदि दस राग लक्षणों का परिचय।

3. गांधर्व गान एवं मार्ग–देशी का सामान्य परिचय। निबद्ध एवं अनिबद्ध गान की सामान्य जानकारी।

4. थाट, राग वर्गीकरण का सामान्य परिचय। शुद्ध, छायालग एवं संकीर्ण रागों का अध्ययन।

5. गणितानुसार हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 32 और कनार्टक संगीत पद्धति के 72 मेलों की निर्माण विधि। स्वरों की संख्या के आधार पर एक थाट से 484 राग बनाने की विधि।

6. ग्राम और मूर्च्छना के लक्षण एवं भेदों की सामान्य जानकारी।

एडवांस डिप्लोमा (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)

गायन/स्वर वाद्य

सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

1. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन :– राग – छायानट, जयजयवंती, बसंत, कामोद, शंकरा, देशकार, बहार, कालिंगडा, सोहनी।

2. निम्नलिखित अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

(अ) पाठ्यक्रम के किन्हीं 5 रागों में विलंबित रचना (बडा ख्याल), मसीतखानी गत को आलाप तानों सहित लिखने का अभ्यास। किसी ध्रुपद अथवा धमार को दुगुन, चौगुन सहित लिखनाअथवा किसी तराने को लिखने का अभ्यास।

(ब) पाठ्यक्रम के रागों में से मध्यलय रचना (छोटा ख्याल), रजाखानी गत को स्वरताललिपि में लिखने का अभ्यास। (आलाप, तानों सहित।)

किसी भजन अथवा धुन को ताल स्वरलिपि को लिखना।

3. आड, कुआड, बिआड, की परिभाषा एवं अर्थ। तीनताल, दादरा, कहरवा, झपताल, एकताल के ठेकों को आड, कुआड, बिआड की लयकारी में लिखने का अभ्यास।

4. संगीत से संबंधित विविध विषयों पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लेखन।

5. जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान :– सदारंग–अदारंग, बाब उस्ताद अलाउद्दीन खॉं, पं. राजा भैया पूछवाले, पं. ओमकारनाथ ठाकुर, पं. रविशंकर, उस्ताद बिस्मिल्लाह खॉं, डॉ. एन. राजम।

एडवांस डिप्लोमा (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)

गायन/स्वर वाद्य

प्रायोगिक (वायवा)

पूर्णांक : 200

1. पाठ्यक्रम के राग : छायानट, जयजयवंती, बसंत, कामोद, शंकरा, देशकार, बहार, कालिंगडा एवं सोहनी।

2. पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका एवं लक्षण गीत का गायन। (गायन के परीक्षार्थियों के लिये।)

3. पाठ्यक्रम के किन्हीं 5 रागों में विलंबित रचना (बडा ख्याल), विलंबित गत (मसीतखानी) का आलाप तानों सहित प्रदर्शन।

4. पाठ्यक्रम के 7 रागों में मध्यलय रचना (छोटा ख्याल), मध्य लय गत (रजाखानी) का तानों सहित प्रदर्शन।

5. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित प्रदर्शन।) दो तराने एवं एक भजन की प्रस्तुति। (गायन के परीक्षार्थियों के लिये।)

अपने वाद्य पर तीनताल के अतिरिक्त अन्य किसी ताल में दो गतों का प्रदर्शन तानों सहित। किसी धुन का प्रदर्शन (वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये)।

6. पाठ्यक्रम के तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित प्रदर्शन।

एडवांस डिप्लोमा (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)

गायन/स्वर वाद्य

प्रायोगिक (मंच प्रदर्शन)

पूर्णांक : 100

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग का प्रदर्शन।

2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से परीक्षक द्वारा पूछे गये किसी एक राग की प्रस्तुति।

3. ठुमरी, टप्पा, त्रिवट अथवा भजन की प्रस्तुति।

किसी धुन अथवा त्रिताल के अतिरिक्त अन्य किसी ताल में द्रुत गत का प्रदर्शन। (वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये।)